CRRI NEWSLETTER

CENTRAL RICE RESEARCH INSTITUTE
INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH
CUTTACK (ODISHA) 753 006, INDIA

Phone: 91-671-2367768-83 | *Fax:* 91-671-2367663 | *Telegram:* RICE
Email: crrictc@ori.nic.in *or* ctk_crriinfo@sancharnet.in *or* directorcrri@satyam.net.in
URL: http://www.crri.nic.in

Vol.32; No.2/2011 | **ISSN 0972-5865** | **April–June 2011**

VIC Identifies Two CRRI Varieties

CR 2301-5 (IET 19816) and CR 2285-6-6-3-1 (IET 20220) were the two rice varieties recommended for release by the Variety Identification Committee on 9 Apr 2011 during its meeting at the DRR, Hyderabad.

CR Dhan 300 (CR 2301-5; IET 19816): Released for cultivation in Maharashtra, Odisha, Bihar and Gujarat, semi-dwarf, CR 2301-5 yields 5.4 t / ha in 135 days. It had yield advantage over IR 64, PR 106 and the local. The grains are long slender with head rice recovery (HRR) of 66.6% and desirable cooking quality. CR 2301-5 is moderately resistant to leaf blast, neck blast and sheath rot.

CR Dhan 500 (CR 2285-6-6-3-1; IET 20220): Developed from Ravana / Mahsuri, CR 2285-6-6-3-1 was recommended for cultivation in deepwater areas of Uttar Pradesh and Odisha. CR 2285-6-6-3-1 yielded 3.4 t / ha in 160 days. It had 29.2% yield superiority over the national check variety Jalmagna and over the regional check Dinesh. The grains are medium slender with good cooking quality. It is moderately resistant to leaf blast, neck blast and sheath rot.

किस्म पहचान समिति द्वारा दो सीआरआरआई किस्मों की पहचान

चावल अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद में ९ जून २०११ को संपन्न बैठक में किस्म पहचान समिति द्वारा सीआर २३०१-५ (आईईटी १९८१६) तथा सीआर २२८५-६-६-३-१ (आईईटी २०२२०) नामक दो चावल किस्मों को विमोचन करने के लिए सिफारिश की गई।

सीआर धान ३०० (सीआर २३०१-५; आईईटी १९८१६): यह किस्म अर्द्ध-बौना है तथा महाराष्ट्र, ओड़िशा, बिहार तथा गुजरात में खेती करने के लिए विमोचित की गई है। इसकी उपज ५.४ टन प्रति हैक्टर है तथा १३५ दिनों में पकता है। आईआर ६४, पीआर १०६ तथा स्थानीय किस्म की अपेक्षा इससे अधिक उपज मिलती है, अनाज लंबा पतला हैं, सेला चावल प्राप्त करने की प्रतिशतता ६६ है एवं पकाने के गुण अच्छे हैं। यह पत्ता प्रध्वंस, गला प्रध्वंस तथा आच्छद विगलन के प्रति मध्यम रूप से प्रतिरोधी है।

सीआर धान ५०० (सीआर २२८५-६-६-३-१; आईईटी २०२२०): रावण/महसूरी से विकसित किस्म ओड़िशा तथा उत्तर प्रदेश के गहराजल क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है, उपज ३.४ टन प्रति हैक्टर है तथा १६० दिनों में पकता है। राष्ट्रीय चेक किस्म जलमग्न तथा स्थानीय चेक किस्म दीनेश की अपेक्षा इसकी उपज श्रेष्ठता २९.२ प्रतिशतता है। यह पत्ता प्रध्वंस, गला प्रध्वंस तथा आच्छद विगलन के प्रति मध्यम रूप से प्रतिरोधी है। इसका अनाज मध्यम-लंबा एवं पतला है एवं पकाने के गुण अच्छी है।

Semi-dwarf, CR Dhan 300 released for cultivation in Maharashtra, Odisha, Bihar and Gujarat yields 5.4 t/ha in 135 days.

S.K. Pradhan

Recommended for cultivation in deepwater areas of Uttar Pradesh, CR Dhan 500 yields 3.4 t/ha in 160 days. It is moderately resistant to leaf blast, neck blast and sheath rot.

S.K. Pradhan

Elite Culture found Promising

CRR 455-109 (IET 20863), an elite line derived from Kalinga III / WAB 56-50 was promising for drought-prone rainfed uplands of Jharkhand after three years of testing. In region 3, it yielded 1.7 to 2 t/ ha in drought conditions that was about 21% higher than the national check variety Anjali and regional check Vandana. In *kharif* 2010 in AVT-VE it ranked first under both drought-affected and normal rainfall conditions. CRR 455-109 is resistant to brown spot, moderately resistant to leaf blast and highly tolerant to drought. It has high HRR of 68.6%, intermediate ASV of 5 and amylose content of 23.31%.

N.P. Mandal

श्रेष्ठ संवर्धन आशाजनक पाया गया

कलिंग III/डब्ल्यूएबी ५६-५० से उत्पन्न श्रेष्ठ वंश सीआरआर ४५५-१०९ (आईईटी २०८६३) को झारखंड के सूखा-प्रवण वर्षाश्रित ऊपरीभूमियों में तीन वर्ष परीक्षण करने के बाद आशाजनक पाया गया। क्षेत्र ३ में, सूखा दशाओं के तहत इसकी उपज १.७ से २ टन प्रति हैक्टर की उपज मिली जो राष्ट्रीय चेक अंजलि तथा क्षेत्रीय चेक वंदना की अपेक्षा २१ प्रतिशत अधिक है। वर्ष २०१० के *खरीफ* के दौरान, एवीटी-वीई के अंतर्गत, सूखा आक्रांत तथा सामान्य वर्षा दशाओं में इसको प्रथम स्थान मिला। सीआरआर ४५५-१०९ भूरा धब्बा प्रतिरोधी है, मध्यम रूप से गला प्रध्वंस प्रतिरोधी है तथा अत्यधिक सूखा सहिष्णु है। इससे ६८.६ प्रतिशत सेला चावल प्राप्त होता है, ५ मध्यम एएसवी है तथा मंड की मात्रा २३.३१ प्रतिशत है।

STRASA Inception Meeting and Planning Workshop Held

I AM happy for STRASA to bring together all of you and I am grateful for all those involved in STRASA Phase 1 and now, on to Phase 2, and I believe this would go a long way. I commend the partnerships among the institutions and networks that were formed and their contribution to farmers' food and income security in unfavourable rice ecosystems," said Dr S. Ayyappan, Director-General, ICAR and Secretary, DARE, Government of India, New Delhi, in his welcome remarks at the Inception Meeting and Planning Workshop of the Phase 2 (February 2011-December 2013) of the "Stress-Tolerant Rice for Africa and South Asia" project at NASC Complex, New Delhi during 5-7 April 2011. STRASA since its inception in 2007 till Jan 2011 through its participating institutions had addressed constraints in rice production in the rainfed ecosystems limited primarily by drought, flooding (submergence), and adverse soils (salinity / iron toxicity), as well as, climatic factors such as cold temperature in the uplands. The project involves Bangladesh, India, and Nepal in South Asia and 17 countries in Africa. The IRRI, Philippines is the lead institution supported by a network of institutions from NARES. The Bill & Melinda Gates Foundation continues to be the major donor for STRASA Phase 2. Drs T.K. Adhya, Mukund Variar, J.N. Reddy, S.S.C. Patnaik, D.P. Singh, B.C. Marandi, Padmini Swain, P. Samal, R.K. Sarkar, V.D. Shukla and N.P. Mandal from the CRRI participated in the deliberations.

स्ट्रासा का आरंभिक बैठक तथा योजना कार्यशाला आयोजित

डॉ. एस. अय्यप्पन, महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा सचिव, डेयर, भारत सरकार, नई दिल्ली ने ५ से ७ अप्रैल २०११ के दौरान एनएएससी कांप्लैक्स, नई दिल्ली में 'अफ्रीका एवं दक्षिण एशिया के लिए दबाव सहिष्णु चावल' परियोजना (स्ट्रासा, चरण-२ फरवरी २०११-दिसंबर २०१३) पर आयोजित आरंभिक बैठक तथा योजना कार्यशाला के अवसर पर अपने स्वागत भाषण में कहा कि 'मैं खुश हूं कि स्ट्रासा के माध्यम से आप सभी एक साथ इकट्ठा हुए हैं और मैं उन लोगों को धन्यवाद देता हूं जो स्ट्रासा के चरण १ में शामिल हैं और अभी चरण २ का आयोजन कर रहे हैं तथा मुझे विश्वास है कि यह सिलसिला आगे भी चलता रहेगा। मैं विभिन्न संस्थानों के बीच की भागीदारी एवं गठित नेटवर्क की एवं प्रतिकूल चावल पारितंत्रों के किसानों के खाद्य तथा आमदनी सुरक्षा के प्रति इस नेटवर्क के द्वारा की गई योगदान की सराहना करता हूं।' स्ट्रासा का आरंभ २००७ में हुआ था एवं जनवरी २०११ तक अपने भागीदारी संस्थानों के माध्यम से वर्षाश्रित पारितंत्रों के प्रमुख बाधाओं जैसे सूखा, बाढ़ (जलनिमग्न) तथा प्रतिकूल मिट्टियों (लवणता/लौह आविषालुता) एवं ऊपरीभूमियों में ठंड तापमानों जैसे समस्याओं का निपटान किया है। इस के तहत दक्षिण एशिया में भारत, बांग्लादेश तथा नेपाल तथा अफ्रीका के १७ देश शामिल हैं। आईआरआरआई, फिलीपीन्स अग्रणी संस्थान के रूप में इसका नेतृत्व करता है जिसे एनएआरईएस के माध्यम से कई संस्थानों का नेटवर्क का समर्थन प्राप्त है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फांउडेशन स्ट्रासा के चरण-२ को सर्वाधिक वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। इस कार्यशाला के सत्रों में सीआरआरआई से डॉ.टी.के. आध्या, डॉ.मुकुंद वरियर, डॉ.जे.एन.रेड्डी, श्री एस.एस.सी. पटनायक, डॉ. डी.पी. सिंह, श्री बी.सी. मरांडी, डॉ.पी. स्वाईं, डॉ. पी. सामल, डॉ.आर.के. सरकार, डॉ.वी.डी. शुक्ला तथा डॉ.एन.पी. मंडल ने भाग लिया।

Courtesy: IRRI, Philippines

CURE Plans for Challenges Ahead

SIXTYFIVE participants from CURE's member-countries in Asia, deliberated on the challenges faced and plans for 2011–12 during the Tenth CURE Steering Committee Meeting at Kathmandu, Nepal, from 18 to 20 Apr 2011. Dr David Johnson, Coordinator, CURE spoke of the successful efforts of the farmers in raising rice productivity and growing other economically viable crops. The meeting also discussed CURE's work on upland rice, drought, submergence and salinity with the NARES site coordinators, group leaders and partners. The meeting also focussed on the role of CURE in achieving the goals of the new GRiSP mega-programme of the CGIAR. Drs T.K. Adhya, Mukund Variar, D.P. Singh, and J.N. Reddy, from the CRRI presented the progress in the research of CURE programmes at the CRRI.

भावी चुनौतियों के लिए क्योर की योजनाएं

एशिया में क्योर के सदस्य देशों से पैंसठ प्रतिभागियों ने १८ से २० अप्रैल २०११ के दौरान कठमांडु, नेपाल, में आयोजित दसवां क्योर विषय-निर्वाचन समिति बैठक में सामना किए जा रहे चुनौतियों के बारे में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा वर्ष २०११-१२ के लिए योजनाओं को अंतिम रूप दिया। डॉ. डेविड जानसन, समन्वयक, क्योर ने चावल उत्पादकता में वृद्धि के लिए तथा अपने जीविका में सुधार करने लिए आर्थिक रूप से अन्य व्यवहार्य फसल की खेती करने हेतु किसानों के सफल प्रयासों के विषय में बताया। बैठक में एनएआरए स्थल समन्वयकों, समूह नेताओं तथा सहभागियों के साथ क्योर द्वारा किए गए ऊपरीभूमि चावल, सूखा, निमग्नता तथा लवणता कार्यों की उपलब्धियों के बारे विचार-विमर्श किया गया। इस बैठक में सीजीआईएआर के बृहत नया कार्यक्रम जीआरआईएसपी के लक्ष्यों की उपलब्धि पर क्योर की भूमिका पर भी जोर दिया गया। डॉ.टी.के. आध्या, डॉ.मुकुंद वरियर, डॉ. डी.पी. सिंह तथा डॉ.जे.एन.रेड्डी ने भाग लिया एवं सीआरआरआई में अनुसंधान कार्यक्रमों की प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

CRRI, Nodal Agency for RKVY-BGREI

THE CRRI is the Nodal Agency for the scientific monitoring and technological backstopping of the new programme "Bringing Green Revolution to Eastern India (BGREI)," under the Rashtriya Krishi Vikas Yojana for implementation in Assam, West Bengal, Odisha, Bihar, Jharkhand, Chhattisgarh and eastern Uttar Pradesh. Select scientists from the CRRI were identified to monitor the programme in the identified districts. Shri P.K. Basu, IAS, Secretary, and Shri M. Khullar, IAS, Joint Secretary, Department of Agriculture and Co-operation, Government of India, New Delhi, visited the CRRI, Cuttack on 19 May 2011 for discussion on the implementation of the programme. Shri R.L. Jamuda, IAS, Principal Secretary (Agriculture) and Shri R. Santgopalan, IAS, Director (Agriculture), Government of Odisha, also participated.

P. Kar

आकेवीवाई-बीजीआरईआई कार्यक्रम हेतु नोडल एजेंसी के रूप में सीआरआरआई

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना कार्यक्रम के तहत असम, पश्चिम बंगाल, ओड़िशा, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश में 'पूर्वी भारत में हरित क्रांति आरंभ करने के लिए' नामक नये कार्यक्रम का वैज्ञानिक निगरानी एवं प्रौद्योगिकीय प्रोत्साहन उपलब्ध कराने के लिए सीआरआरआई को नोडल एजेंसी के रूप में चुना गया है। पहचान की गई जिलों में कार्यक्रम के कार्यान्वयन के निगरानी करने हेतु सीआरआरआई से वैज्ञानिकों को चुना गया है। श्री पी.के. बासु, आईएएस, सचिव, तथा श्री एम. खुलार, आईएएस, संयुक्त सचिव, कृषि तथा सहकारिता विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली ने इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के संबंध में विचार-विमर्श करने के लिए १९ मई २०११ को सीआरआरआई, कटक का दौरा किया। श्री आर.एल. जामुदा, आईएएस, प्रधान सचिव, कृषि तथा श्री आर. संतगोपालन, आईएएस, निदेशक, कृषि, ओड़िशा सरकार ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

CRRI Foundation Day Celebrated

P. Kar

Left to right: Drs S.K. Datta, C.D. Mayee, Shri U.P. Singh and Dr T.K. Adhya watch the celebrations.

VISITS by farmers, Kisan Gosthi, interactive meetings, award ceremony and cultural programme marked the celebrations of the 65th CRRI Foundation Day on 23 Apr 2011 at the CRRI, Cuttack. Dr C.D. Mayee, Chairman, Agricultural Scientists Recruitment Board (ASRB), New Delhi, the Chief Guest spoke on the developments in agriculture and the efforts of the ASRB to identify talent. Dr S.K. Datta, Deputy Director-General (Crop Sciences), ICAR, New Delhi, outlined the role of rice in food security and to evolve new strategies in the plant breeding programmes. Shri U.P. Singh, IAS, Principal Secretary (Agriculture), Government of Odisha, gave an overview of rice production in Odisha. Ten progressive farmers were felicitated. A documentary film “Golden Panicle” on CRRI was released as well as an Oriya booklet “Method of Scientific Rice Production.” Later Dr T.K. Adhya gave the CRRI awards:

Longest Service: Shri A. Pattnaik, Principal Scientist; Shri B.V. Das, T-5; Shri K.B. Agasti, PS; Shri Bulu Naik, SSS.

Best Worker: Dr G.J.N. Rao, Principal Scientist; Dr S.K. Pradhan, Senior Scientist; Shri Prakash Kar, T 7-8; Shri Arun Kumar Mishra T-5; Shri Brundaban Das, T-3; Shri Basant Kumar Sahoo, AAO; Shri Janardan Nayak, PA; Shri Sanjay Kumar Sahoo, Assistant; Kum. Jali Das, LDC, RRLRRS, Gerua and Shri P. Bhoi, SSS.

सीआरआरआई स्थापना दिवस आयोजित

सीआरआरआई ने अपनी ६५वीं स्थापना दिवस समारोह २३ अप्रैल २०११ को मनाया। इसमें किसानों ने संस्थान का परिदर्शन किया। किसान गोष्ठी, विचार-विमर्श कार्यक्रम, पुरस्कार वितरण तथा एक सांस्कृतिक कार्यकम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ.सी.डी. मायी, अध्यक्ष, एएसआरबी, नई दिल्ली, अपने संबोधन में कृषि में हो रहे विकास के बारे में तथा प्रतिभा की पहचान करने हेतु चयन मंडल द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में कहा। डॉ.एस.के. दत्ता, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने खाद्य सुरक्षा में चावल की भूमिका को रेखांकित किया तथा पौध प्रजनन कार्यक्रमों में नई रणनीतियां विकसित करने को कहा। श्री यू.पी. सिंह, आईएएस, प्रधान सचिव, कृषि विभाग, ओड़िशा सरकार ने ओड़िशा के चावल उत्पादन का सिंहावलोकन किया। दस प्रगतिशील किसानों को पुरस्कृत किया गया। सीआरआरआई पर निर्मित ‘गोल्डेन पानीकिल’ नामक एक डाक्यूमेंटारी फिल्म तथा ‘चावल उत्पादन के वैज्ञानिक तरीके’ नामक एक उड़िया पुस्तिका का भी विमोचन किया गया। बाद में, डॉ.टी.के. आध्या ने सीआरआरआई के श्रेष्ठ कार्मिकों को पुरस्कार प्रदान किया।

सर्वाधिक सेवाकालः श्री ए. पटनायक, प्रधान वैज्ञानिक, श्री बी.वी. दास, टी-५, श्री के.बी. अगस्ती, निजी सचिव, श्री बी. नाएक, एसएसएस।

श्रेष्ठ कार्मिकः डॉ.जी.जे.एन. राव, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ.एस.के. प्रधान, वरिष्ठ वैज्ञानिक, श्री प्रकाश कर, टी-७-८, श्री अरुण कुमार मिश्र, टी-५, श्री वृंदावन दास, टी-३, श्री बसंत कुमार साहु, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, श्री जनार्दन नायक, निजी सहायक, श्री संजय कुमार साहु, सहायक, सुश्री जली दास, निम्न श्रेणी लिपिक, आरआरएलआरआरएस, गेरुआ तथा श्री प्रभाकर भोई, कुशल सहायक कर्मचारी।

C.D. Mayee Delivers 2nd Foundation Day Lecture

P. Kar

DO GM Crop Regulations Aid or Abate Farm and Farmers?” was the 2nd Foundation Day Lecture delivered by Dr C.D. Mayee, Chairman, ASRB, New Delhi on 22 Apr 2011 at the CRRI, Cuttack. He spoke on ‘GM Crops,’ ‘Regulations for Transgenic Research and Commercial Release of GM Crops,’ ‘Regulatory Mechanism for GM Crops,’ the ‘EP Act 1986,’ ‘Revised Biosafety Guidelines, Department of Biotechnology 1998,’ ‘National Seeds Policy,’ ‘Marketing and Trade,’ and ‘Ethical Issues.’ The Foundation Day lecture is delivered by an eminent person on the eve of the CRRI Foundation Day every year.

डॉ.सी.डी. मायी द्वारा द्वितीय स्थापना दिवस व्याख्यान प्रदान

डॉ.सी.डी. मायी, मायी, अध्यक्ष, एएसआरबी, नई दिल्ली ने २२ अप्रैल २०११ को सीआर-आरआई, कटक में ‘क्या जीएम फसल विनियम गठन करने में सहायता करते हैं या खेत और किसान को निर्बल करते हैं’ विषय पर द्वितीय स्थापना दिवस व्याख्यान प्रदान किया। उन्होंने ‘जीएम फसल’, ‘खाद्य सुरक्षा’, ‘ट्रांसजेनिक अनुसंधान के लिए विनियम तथा जीएम फसलों का व्यावसायिक विमोचन’, जीएम फसलों के लिए विनियामक तंत्र’, ‘ईपी विनियम, १९८६’, ‘संशोधित जैवसुरक्षा दिशानिर्देश’, ‘जैवप्रौद्योगिकी विभाग, १९८८’, ‘राष्ट्रीय बीज नियम’, ‘विपणन एवं व्यापार’ तथा ‘नैतिक मुद्दों पर कहा। प्रत्येक वर्ष सीआरआरआई की स्थापना दिवस के पूर्व संध्या पर एक प्रतिष्ठित व्यक्ति द्वारा व्याख्यान दिया जाता है।

28th IRC Meeting Held

THE 28th meeting of Institute Research Council (IRC) was held from 16 to 24 May 2011 under the Chairmanship of Dr T.K. Adhya, Director, CRRI. Results of experiments conducted under 10 research programmes and externally-aided projects were presented and discussed.

२८वीं आईआरसी बैठक आयोजित

डॉ.टी.के. आध्या, निदेशक, सीआरआरआई की अध्यक्षता में १६ से २४ मई २०११ के दौरान संस्थान अनुसंधान परिषद की २८वीं बैठक आयोजित की गई। दस अनुसंधान कार्यक्रमों तथा बाह्य वित्त पोषित परियोजनाओं के तहत की गई परीक्षणों के परिणामों को प्रस्तुत किया गया तथा विचार-विमर्श किया गया।

4th IJSC Held

B. Behera

THE 4th meeting of the Institute Joint Staff Council (2009–2012) was held on 29 Jun 2011 at the CRRI, Cuttack under the Chairmanship of Dr T.K. Adhya, Director. Various administrative and financial matters were discussed and finalized. The Members present were Drs K.S. Rao, P.N. Mishra, Mayabini Jena, Shri D. Moitra, Shri P.K. Nayak, Shri B.K. Sahoo, Shri D.K. Parida, Shri S.B. Nayak, P. Moharana, Shri K.C. Bhoi, Shri B.B. Das, Shri B.K. Behera and Shri P. Bhoi.

चौथी आईजेएससी बैठक आयोजित

संस्थान संयुक्त स्टाफ परिषद (२००९-१२) की चौथी आईजेएससी बैठक २९ जून २०११ को सीआरआरआई, कटक में डॉ.टी.के. आध्या, निदेशक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कई प्रशासनिक तथा वित्तीय मामलों पर विचार-विमर्श की गई एवं उन्हें अंतिम रूप दिया गया। इस बैठक में डॉ.के.एस. राव, डॉ.पी.एन. मिश्र, डॉ. मायाबिनी जेना, श्री डी. मैत्र, श्री पी.के. नायक, श्री बी.के. साहू, श्री डी.के. परिडा, श्री एस.बी. नायक, श्री बी. महाराना, श्री के.सी. भोई, श्री बी.बी. दास, श्री बी.के. बेहेरा तथा श्री पी. भोई उपस्थित थे।

Farmers' Meet on Use of Fly Ash

B. Behera

A FARMERS' meet on the use of fly ash in rice cultivation was organized at CRRI, Cuttack on 3 May 2011. The objective of the meet was to create awareness among farmers in the use of fly ash in rice cultivation. Forty farmers from different parts of Odisha attended the meet. Dr Vimal Kumar, Head, Fly Ash Unit, Department of Science and Technology, Government of India, New Delhi spoke on the uses of fly ash.

फ्लाई एश के प्रयोग पर किसान बैठक आयोजित

सीआरआरआई, कटक में ३ मई २०११ को चावल की खेती में फ्लाई एश के प्रयोग पर किसान बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का उद्देश्य चावल की खेती में फ्लाई एश के प्रयोग पर किसानों में जागरूकता उत्पन्न करना था। इस बैठक में ओड़िशा के विभिन्न भागों से चालीस किसानों ने भाग लिया। डॉ. विमल कुमार, अध्यक्ष, फ्लाई एश ईकाई, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली ने फ्लाई एश के प्रयोगों पर कहा।

Training Programmes at CRRI

A TRAINING programme on "Rice Production Technology" sponsored by the DAO, Purnea, Bihar was organized by CRRI, Cuttack from 26 to 30 Apr 2011 for 20 farmers.

A capacity building programme for Programme Coordinators and SMSs of KVKs of Odisha and Chhattisgarh on "Rice Production Technology" was organized jointly by CRRI, Cuttack and the Zonal

सीआरआरआई में प्रशिक्षण कार्यक्रम

सीआरआरआई, कटक में २६ से ३० अप्रैल २०११ के दौरान २० किसानों के लिए 'चावल उत्पादन प्रौद्योगिकी' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसे डीएओ, पुर्निआ, बिहार ने प्रायोजित किया था।

केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक तथा क्षेत्रीय परियोजना निदेशालय, क्षेत्र VII, जबलपुर के सुयंक्त प्रयास से सीआरआरआई, कटक में ३० से ३१ मई २०११ के दौरान ओड़िशा तथा छत्तीसगढ़ के कृषि विज्ञान केंद्रों के कार्यक्रम समन्वयक तथा विषयवस्तु विशेषज्ञ के लिए एक क्षमता निमार्ण

Project Directorate, Zone VII, Jabalpur from 30 to 31 May 2011 for 50 officers. The training covered the frontier areas of rice production technology and development of action plan in rice production for bringing green revolution to eastern India.

A training programme on "Seed Production and Characterization of Farmers' Varieties" was organized by CRRI, Cuttack in collaboration with the State Seed Testing Laboratory, Directorate of Agriculture, Government of Odisha on 28 Jun 2011 for personnel of selected NGOs and Officers of the State Department.

कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें ५० अधिकारियों ने भाग लिया। भारत के पूर्वी राज्यों में द्वितीय हरित क्रांति के लिए चावल उत्पादन में कार्य योजना का विकास तथा चावल उत्पादन प्रौद्योगिकी का सीमांत क्षेत्र इस कार्यक्रम के विषय थे।

राज्य बीज परीक्षण प्रयोगशाला, कृषि निदेशालय, ओड़िशा सरकार के सहयोग से सीआरआरआई, कटक में २८ जून २०११ को गैर सरकारी संगठन के कुछ चयनित कार्मिकों तथा राज्य कृषि विभाग के अधिकारियों के लिए 'बीज उत्पादन तथा किसानों की किस्मों का लक्षण वर्णन' पर सीआरआरआई द्वारा एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

CRRI Photolibrary

Left: The CRRI Sports team with the Championship trophy.
Right: Shri P.K. Parida, receives the best athlete (male) certificate.

CRRI Lifts Championship Trophy in Sports Meet

AT the ICAR Zonal Sports Tournament for Eastern Zone held at Indian Veterinary Research Institute (IVRI), Izatnagar, from 7 to 11 Apr 2011, the CRRI, Cuttack lifted the overall Institute Championship Trophy. The CRRI got the first position in kabaddi, table tennis doubles (women) and 4 x 100 m relay race. It got the second position in volleyball shooting. Shri P.K. Parida, was judged as the best athlete (male) of the Zone. In individual events the first position was: 100 m race (men) and 400 m race (men): P.K. Parida; 1,500 m race (men): S. Pradhan; High jump (women): Sabita Sahoo; and Javelin throw (women): Rojalia Kido.

खेलकूद प्रतियोगिता में सीआरआरआई चैंपियन

भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर में ७ से ११ अप्रैल २०११ के दौरान पूर्वी क्षेत्र के लिए आयोजित आईसीएआर क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में सीआरआरआई ने चैंपियनशिप ट्राफी हासिल की। सीआरआरआई को कबड्डी, टेबल टेनिस डबल्स् (महिला) तथा ४ x १०० मीटर रिले दौड़ में प्रथम स्थान मिला। वॉलीबाल शूटिंग में सीआरआरआई को द्वितीय स्थान मिला। श्री पी.के.परिडा को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (पुरुष) का खिताब मिला। व्यक्तिगत खेल में श्री पी.के.परिडा ने १०० मीटर दौड़ (पुरुष) में तथा ४०० मीटर दौड़ (पुरुष) तथा श्री एस. प्रधान ने १५०० मीटर दौड़ (पुरुष) में प्रथम स्थान जीता। सुश्री सबिता साहू ने हाई जंप में (महिला) प्रथम स्थान तथा श्रीमती रोजालिया किडो ने जावेलिन थ्रो (महिला) में प्रथम स्थान जीता।

Krishi Vigyan Kendra, Koderma

Training

A total of 16 training programmes were conducted for 25 farmers each on "Technique of Seed Treatment in Rice," "Nursery Management of *Kharif* Season Vegetable," "Management of Milch Cattle in Summer Season," "Care and Management in Goat," "Scientific

कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा

प्रशिक्षण

पच्चीस किसानों के लिए 'चावल में बीज उपचार के तकनीक', 'खरीफ मौसम सब्जी का नर्सरी प्रबंधन', 'ग्रीष्म मौसम में दुधारु पशुओं का प्रबंधन', 'बकरी पालन में देखरेख तथा प्रबंधन', 'मौसमी फलों के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक पद्धति', 'विभिन्न खेती परिस्थिति के लिए

method for Preservation of Seasonal Fruit," "Improved Paddy Cultivation for different Farming Situation," "IPM in Okra," "Technique of Seed Treatment in *Kharif* Pulses," "Technique for Increasing Cropping Intensity in Rice-fallow System," "Making different Types of Papad and Chips," "Lac Cultivation," "Formation of Self-help Group," "OFT in Farmer's Field," "Technique of Micro-irrigation in Vegetable Crops," "Establishment of Layout Technique in Orchard," and "Scientific Cultivation of *Kharif* Onion." A total of 405 farmers and farm women participated.

सुधरित चावल खेती',' भिंडी में समन्वित नाशककीट प्रबंधन', 'खरीफ मौसम के दलहन फसलों में बीज उपचार के तकनीक', 'बंजर भूमि चावल प्रणाली में फसल सघनता में वृद्धि हेतु तकनीक', 'विभिन्न प्रकार के पांपड़ एवं चीप्स की तैयारी', 'लाख खेती', 'स्वयं सहायता दल का गठन', 'किसानों के खेतों में ओएफटी', 'सब्जी फसलों में लघु सिंचाई के तकनीके', 'बागों में परिकल्पना तकनीकों की स्थापना', तथा 'खरीफ प्याज की वैज्ञानिक खेती' पर कुल सोलह प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कुल ४०५ किसानों तथा महिला किसानों ने भाग लिया।

Symposia/Seminars/Conferences/Trainings/Visits/Workshops Attended

DR T.K. Adhya attended the ICAR-IRRI interaction meeting at New Delhi on 4 Apr 2011.

Drs T.K. Adhya, Mukund Variar, V.D. Shukla, N.P. Mandal, J.N. Reddy, D.P. Singh, Padmini Swain, P. Samal, R.K. Sarkar, S.S.C. Patnaik and B.C. Marndi attended the inception meeting and planning workshop of the Stress Tolerant Rice for Africa and South Asia (STRASA, Phase-2) and IFAD at NASC Complex, New Delhi from 5 to 7 Apr 2011.

Drs T.K. Adhya, K.S. Rao, S.G. Sharma, Mukund Variar, V.D. Shukla, S.R. Dhua, R.N. Rao, N.P. Mandal, J.N. Reddy, A. Patnaik, S.K. Pradhan, P. Swain, R.K. Sarkar, S.S.C. Patnaik, C.V. Singh and N. Bhakta attended the 46th Annual Rice Group Meeting at DRR, Hyderabad from 7 to 11 Apr 2011.

Dr S.G. Sharma attended a meeting of the Harvest Plus at ICRISAT, Hyderabad on 12 Apr 2011.

Dr S.R. Dhua attended the Review Meeting of Foreign Aided Project at ICAR, New Delhi on 13 Apr 2011.

Drs K.B. Pun, and N. Bhakta, participated in the meeting to have a unified Research Coordination Committee for Collaborative R&D Endeavour in the North-eastern region organized by the Director, ICAR-NEH Region, Umiam at Khanapara, Guwahati on 13 Apr 2011.

Dr T.K. Adhya attended the Sectional Committee Meeting of the Indian National Science Academy at New Delhi on 27 Apr 2011.

Dr T.K. Adhya attended a review meeting for implementing the programme "Bringing Green Revolution to Eastern India" at Ranchi on 28 Apr 2011, and in Patna on 29 Apr 2011.

Dr Mukund Variar attended the Meeting on "Promotion of Rice Strategies developed by IRRI" under the ongoing programme "Extending Green Revolution to Eastern India (BGREI)," at Krishi Bhavan, New Delhi on 30 April 2011.

परिसंवाद/संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला/प्रशिक्षण में प्रतिभागिता

डॉ.टी.के. आध्या ने ४ अप्रैल २०११ को नई दिल्ली में आयोजित आईसीएआर-आईआरआरआई की विचार विमर्श बैठक में भाग लिया।

डॉ.टी.के. आध्या, डॉ.मुकुंद वरियर, डॉ.वी.डी. शुक्ला, डॉ.एन.पी. मंडल, डॉ.जे.एन.रेड्डी, डॉ.डी.पी. सिंह, डॉ.पी. स्वाईं, डॉ.पी. सामल, डॉ.आर.के. सरकार, श्री एस.एस.सी. पटनायक तथा श्री बी.सी. मरांडी ने ५ से ७ अप्रैल २०११ के दौरान एनएएससी कांप्लैक्स, नई दिल्ली में 'अफ्रीका एवं दक्षिण एशिया के लिए दबाव सहिष्णु चावल' (स्ट्रासा, चरण-२) पर आयोजित आरंभिक बैठक तथा योजना कार्यशाला तथा आईएफएडी में भाग लिया।

डॉ.टी.के. आध्या, डॉ.के.एस. राव, डॉ.एस.जी. शर्मा, डॉ.मुकुंद वरियर, डॉ.वी.डी. शुक्ला, डॉ.एस.आर. धुआ, डॉ.आर.एन. राव, डॉ.एन.पी. मंडल, डॉ.जे.एन. रेड्डी, श्री अशोक पटनायक, डॉ.पी. स्वाईं, डॉ.एस.के. प्रधान, डॉ.आर.के. सरकार, श्री एस.एस.सी. पटनायक, डॉ.सी.वी. सिंह तथा डॉ.एन. भक्त ने ७ से ११ अप्रैल २०११ के दौरान डीआरआर, हैदराबाद में आयोजित ४६वीं वार्षिक चावल समूह बैठक में भाग लिया।

डॉ.एस.जी. शर्मा ने १२ अप्रैल २०११ को इक्रीसैट, हैदराबाद में आयोजित हार्वेस्ट प्लस शीर्षक बैठक में भाग लिया।

डॉ.एस.आर. धुआ ने १३ अप्रैल २०११ को आईसीएआर, नई दिल्ली में बाह्यपोषित परियोजना की समीक्षा बैठक में भाग लिया।

डॉ.के.बी. पुन तथा डॉ.एन. भक्त ने १३ अप्रैल २०११ को आईसीएआर-एनईएच रीजन, उमियम, गुवाहाटी के निदेश द्वारा 'उत्तर पूर्वी क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास प्रयास' पर आयोजित समन्वित अनुसंधान समन्वयन समिति की बैठक में भाग लिया।

डॉ.टी.के. आध्या ने २७ अप्रैल २०११ को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली में आयोजित अनुभागीय समिति की बैठक में भाग लिया।

डॉ.टी.के. आध्या ने २८ अप्रैल २०११ को रांची में तथा २९ अप्रैल २०११ को पटना में 'पूर्वी भारत में हरित क्रांति का आरंभ करने के लिए' के कार्यक्रम के कार्यान्वयन से संबंधित बैठक में भाग लिया।

डॉ.मुकुंद वरियर ने ३० अप्रैल २०११ को कृषि भवन, नई दिल्ली में 'पूर्वी भारत में हरित क्रांति का प्रसार' कार्यक्रम के तहत 'आईआरआरआई द्वारा विकसित चावल रणनीतियों का प्रचार' बैठक में भाग लिया।

Dr S.R. Dhua attended the 26th Annual Group Meeting of AICRP National Seed Project (Crops) held at the CSK Himachal Pradesh Agricultural University, Palampur from 2 to 4 May 2011.

Drs K.B. Pun and N. Bhakta participated in the 20th Meeting of the ICAR Regional Committee No. III held at the ICAR Research Complex for North-eastern Hills Region, Umiam, Meghalaya from 5 to 6 May 2011.

Dr S.M. Prasad attended the 18th Zonal Workshop of Krishi Vigyan Kendras of Zone VII at the RVSKVV, Gwalior from 6 to 8 May 2011. He presented the Annual Progress Report 2010–11 and the Action Plan for 2011–12.

Drs A.K. Nayak and R. Raja attended the National Seminar on "Fly Ash-based Amendments for Amelioration of Degraded Soils to Increase Crop Production in the Gangetic Plains" at the CSSRI Regional Research Station, Lucknow from 7 to 8 May 2011. Dr A.K. Nayak presented a lead paper on "Effect of Bulk Application of Fly Ash on Yield and Soil Properties under Irrigated and Rainfed Rice Ecosystem."

Dr K.B. Pun participated in the 36th Zonal Research and Extension Advisory Committee Meeting 2011-12 for the Lower Brahmaputra Valley Zone of Assam held at the Horticultural Research Station, Assam Agricultural University, Kahikuchi, on 9 May 2011.

Dr T.K. Adhya, Shri D. Moitra and Shri D.S. Meena attended a training programme on "Employer's Perspective on Labour Related Laws" at NAARM, Hyderabad from 10 to 11 May 2011.

Dr T.K. Adhya attended a meeting with the Director-General, ICAR on "Major Priority Areas of 12th Plan" at New Delhi on 12 May 2011.

Dr T.K. Adhya attended the 5th Review Meeting of AMAAS Projects at the NBAIM, Mau on 14 May 2011.

Dr T.K. Adhya attended the review meeting of the programme "Bringing Green Revolution to Eastern India," at Raipur on 17 May 2011.

Dr RK Singh attended the Consortium Implementation Committee (CIC) meeting of the NAIP (C-3) project "Developing Sustainable Farming System Models for Prioritized Micro Watersheds in Rainfed Area of Jharkhand" at BAU, Ranchi on 25 May 2011.

Dr S.M. Prasad attended the FLD workshop of Oilseed and Pulses of Zone VII at OUAT, Bhubaneswar on 29 May 2011. He presented the report of FLD Oilseeds and Pulses of KVK, Santhapur.

Dr T.K. Adhya visited West Bengal to review the implementation of the programme "Bringing Green Revolution to Eastern India" on 4 Jun 2011.

Dr T.K. Adhya attended the meeting of the National Academy of Agricultural Sciences at New Delhi on 5 Jun 2011.

डॉ.एस.आर. धुआ ने २ से ४ मई २०११ के दौरान सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर में एआईसीआरपी राष्ट्रीय बीज परियोजना (फसल) की २६वीं वार्षिक समूह बैठक में भाग लिया।

डॉ.के.बी. पुन तथा डॉ.एन. भक्त ने ५ से ६ मई २०११ के दौरान उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र के लिए आईसीएआर रिसर्च कांप्लैक्स, उमियम, मेघालय में आईसीएआर क्षेत्रीय समिति संख्या III की २०वीं बैठक में भाग लिया।

डॉ.एस.एम. प्रसाद ने ६ से ८ मई २०११ के दौरान आरवीएसकेवीवी, ग्वालियर में कृषि विज्ञान केंद्रों के क्षेत्र VII के १८वीं क्षेत्रीय कार्याशाला में भाग लिया। उन्होंने वर्ष २०१०-११ की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट तथा वर्ष २०११-१२ के लिए कार्य योजना प्रस्तुत किया।

डॉ.ए.के. नायक तथा डॉ.ए. राजा ने ६ से ८ मई २०११ के दौरान सीएसएसआरआई क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, लखनऊ में 'गांगेय मैदानों में फसल उत्पादन बढ़ाने हेतु निम्नीकृत मिट्टियों के सुधार के लिए फ्लाई एश आधारित परिवर्तन' पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया। डॉ.ए.के. नायक ने 'सिंचित तथा वर्षाश्रित चावल पारितंत्र में फ्लाई एश का अधिक प्रयोग का उपज एवं मिट्टी की विशेषताओं पर प्रभाव' पर एक अग्रणी पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ.के.बी. पुन ने ९ मई २०११ को असम कृषि विश्वविद्यालय, कहिकुची के बागवानी अनुसंधान केंद्र में आयोजित असम के निम्न ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र के लिए ३६वां क्षेत्रीय अनुसंधान तथा विस्तार सलाहकार समिति, २०११-१२ की बैठक में भाग लिया।

डॉ.टी.के. आध्या, श्री डी. मैत्र तथा श्री डी.एस. मीणा ने १० से ११ मई २०११ के दौरान नार्म, हैदराबाद में 'श्रम संबंधित कानून पर नियोक्ता का परिप्रेक्ष्य' पर आयोजित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ.टी.के. आध्या ने परिषद के महानिदेशक के साथ १२ मई २०११ को नई दिल्ली में '१२वीं योजना के प्रमुख प्राथमिकताएं' पर आयोजित बैठक में भाग लिया।

डॉ.टी.के. आध्या ने १४ मई २०११ को एनबीएआईएम, मऊ में एएमएएएस परियोजनाओं की पांचवी समीक्षा बैठक में भाग लिया।

डॉ.टी.के. आध्या ने १७ मई २०११ को रायपुर में 'पूर्वी भारत में हरित क्रांति का शुभारंभ' कार्यक्रम की समीक्षा बैठक में भाग लिया।

डॉ.आर.के. सिंह ने २५ मई २०११ को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची में 'झारखंड के वर्षाश्रित क्षेत्र के प्राथमीकृत लघु जलाश्रयों के लिए टिकाऊ खेती प्रणाली नमूनों का विकास' शीर्षक परियोजना के एनएआईपी (सी-३) के संकाय कार्यान्वयन समिति की बैठक में भाग लिया।

डॉ.एस.एम. प्रसाद ने २९ मई २०११ को ओयूएटी, भुवनेश्वर में क्षेत्र VII के तेलबीज एवं दलहन की अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन कार्यशाला में भाग लिया। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र, संथपुर के तेलबीज एवं दलहन की अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत किया।

डॉ.टी.के. आध्या ने ४ जून २०११ को 'पूर्वी भारत में हरित क्रांति का शुभारंभ' कार्यक्रम के कार्यान्वयन की समीक्षा करने के लिए पश्चिम बंगाल का दौरा किया।

डॉ.टी.के. आध्या ने ५ जून २०११ को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली की एक बैठक में भाग लिया।

Dr T.K. Adhya attended the meeting of the TIFAC Eastern Region at the Bose Institute, Kolkata from 6 to 7 Jun 2011 to prepare its *Vision Document 2035*.

Smt Sujata Sethy attended the training programme on "Women Friendly Tools and Equipments for Drudgery Reduction" by the AICRP on Ergonomics and Safety in Agriculture at the College of Agricultural Engineering and Technology, Orissa University of Agriculture and Technology, Bhubaneswar, from 9 to 10 Jun 2011.

Drs K.S. Rao, O.N. Singh and Mukund Variar attended the Meeting-cum-workshop of the Head of the Divisions and Regional Stations, at the CIAE, Bhopal from 14 to 15 Jun 2011.

Dr T.K. Adhya visited Assam to review the planning of "Bringing Green Revolution to Eastern India," at Guwahati on 15 Jun 2011. He also visited the CRRI Research Station the RRLRRS in Gerua to review the progress of research from 16 to 17 Jun 2011.

Dr Sanjoy Saha attended the "Orientation Programme on Approved Uses of Pesticides" organized by the National Institute of Plant Health Management, Hyderabad on 18 Jun 2011.

Dr T.K. Adhya attended the 60th Meeting of the Central Sub-Committee on Crop Standards, Notification and Release of Varieties for Agricultural Crops at the NBPGR, New Delhi on 28 Jun 2011.

डॉ.टी.के. आध्या ने ६ से ७ जून २०११ के दौरान बोस संस्थान, कोलकाता में आयोजित टीआईएफएसी की बैठक में विजन डाक्यूमेंट २०३५ की तैयारी के लिए भाग लिया।

श्रीमती सुजाता सेठी ने ९ से १० जून २०११ के दौरान उड़ीसा कृषि तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के कृषि आभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में एआईसीआरपी द्वारा 'कड़ी मजदूरी की कमी के लिए महिला सुलभ औजारें तथा उपकरणों' तथा 'कृषि में एर्गोनोमिक्स एवं सुरक्षा' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ.के.एस. राव, डॉ.ओ.एन. सिंह डॉ.मुकुंद वरियर ने १४ से १५ जून २०११ के दौरान सीआईएई, भोपाल में प्रभाग तथा क्षेत्रीय केंद्रों के अध्यक्षों की बैठक-सह-कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ.टी.के. आध्या ने १५ जून २०११ को गुवाहाटी में 'पूर्वी भारत में हरित क्रांति का शुभारंभ' की योजना की समीक्षा करने के लिए असम का दौरा किया। उन्होंने १६ से १७ जून २०११ के दौरान सीआरआरआई का क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, आरआरएलआरआरएस, गेरुआ का दौरा किया एवं अनुसंधान की प्रगति की समीक्षा की।

डॉ. संजय साहा ने १८ जून २०११ को राष्ट्रीय पौध स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'कीटनाशकों का अनुमोदित प्रयोग पर पूर्वाभिमुखीकरण कार्यक्रम' में भाग लिया।

डॉ.टी.के. आध्या ने २८ जून २०११ को एनबीपीजीआर, नई दिल्ली में कृषि फसलों के लिए फसल मानक, अधिसूचना तथा किस्म विमोचन पर गठित केंद्रीय उप-समिति की ६०वीं बैठक में भाग लिया।

Foreign Deputation

DRS T.K. Adhya, Director, Mukund Variar, Principal Scientist and Officer-In-Charge, CRURRS, Hazaribagh, D.P. Singh, Principal Scientist and J.N. Reddy, Principal Scientist, participated in the 10th Review and Steering Committee Meeting of the Consortium for Unfavorable Rice Environments (CURE) from 18 to 20 Apr 2011 at Kathmandu, Nepal.

विदेश प्रतिनियुक्ति

डॉ.टी.के. आध्या, निदेशक, डॉ.मुकुंद वरियर, प्रधान वैज्ञानिक तथा प्रभारी अधिकारी, सीआरयूआरआरएस, हजारीबाग, डॉ.डी.पी. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक तथा डॉ.जे.एन. रेड्डी, प्रधान वैज्ञानिक ने १८ से २० अप्रैल २०११ को कठमांडू, नेपाल में आयोजित प्रतिकूल चावल पयावरण संकाय की दसवां समीक्षा एवं विषय-निर्वाचन समिति की बैठक में भाग लिया।

Institute Seminar

DR Kuldip Singh, Director, School of Biotechnology, Panjab Agricultural University, Ludhiana on "Wheat Genome Sequencing" on 25 Apr 2011.

संस्थान सेमिनार

डॉ.कुलदीप सिंह, निदेश्क, जैवप्रौद्योगिकी विद्यालय, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियानर ने २५ अप्रैल २०११ को 'व्हीट जेनोम सीक्वेसिंग' पर सेमिनार व्याख्यान दिया।

TV/Radio Talk

DR D.P. Sinhababu delivered a TV talk in Doordarshan on "Rice-fish Diversified Farming System for Rainfed Lowland Areas' on 11 May 2011.

Dr J.R. Mishra delivered a radio talk over the All India Radio, Cuttack on "Swalpa Panire Dhana Chasa" on 18 May 2011, and "Krushaka Club Kana O Kahinki" on 26 May 2011.

टीवी/रेडियो वार्ता

डॉ.डी.पी. सिन्हाबाबू ने ११ मई २०११ को 'वर्षाश्रित निचलीभूमि क्षेत्रों के लिए चावल मछली विविध खेती प्रणाली' पर दूरदर्शन में व्याख्यान दिया।

डॉ.जे.आर. मिश्र ने १८ मई २०११ को 'कम पानी में चावल की खेती' पर रेडियो वार्ता दिया तथा २६ मई २०११ को 'कृषक मंडल क्या है और क्यों है' पर दूरदर्शन में व्याख्यान दिया।

Distinguished Visitors

DR C.D. Mayee, Chairman, Agricultural Scientists Recruitment Board, New Delhi visited CRRI, Cuttack on 22 Apr 2011.

Shri P.K. Basu, IAS, Secretary and Shri M. Khullar, IAS, Joint Secretary, Department of Agriculture and Co-operation, Government of India, New Delhi, visited the CRRI, Cuttack on 19 May 2011.

Dr Inacio Calvino Maposse, Chief of Delegation and President of Scientific Council of Agriculture, Government of Mozambique, Professor Vasco J. Lino, National Director for Research, Innovation and Technology Development, Mozambique and Sergio Pereira, Engineer, Department of Agriculture, Mozambique visited CRRI, Cuttack on 8 Jun 2011.

Shri G.C. Pati, IAS, Additional Secretary, (DAC), Government of India, New Delhi, visited CRRI, Cuttack on 20 Jun 2011.

P. Kar

Dr D.P. Singh (left) explains rice lines to Shri P.K. Basu (second from left). Dr T.K. Adhya and Shri M. Khullar are to his right.

B. Behera

Drs Inacio Calvino Maposse (second from right) and Vasco J. Lino (right) discuss with Dr T.K. Adhya (second from left).

विशिष्ट आगंतुक

डॉ.सी.डी. मायी, अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड, नई दिल्ली ने २२ अप्रैल २०११ को सीआरआरआई, कटक का दौरा किया।

श्री पी.के. बासु, आईएएस, सचिव, कृषि एवं सहकारिता विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली तथा श्री एम. खुलार, आईएएस, संयुक्त सचिव, कृषि एवं सहकारिता विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली ने १९ मई २०११ को सीआरआरआई, कटक का दौरा किया।

डॉ.इनासियो कालविनो मापोसे, समूह मुख्य तथा अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक परिषद, मोजांबिक सरकार, प्रोफेसर वास्को जे. लिनो, राष्ट्रीय निदेशक, अनुसंधान, नवोन्मेष तथा प्रौद्योगिकी विकास, मोजांबिक सरकार तथा सरगियो पेरेरा, इंजीनियर, कृषि विभाग, मोजांबिक सरकार, ने ८ जून २०११ को सीआरआरआई, कटक का दौरा किया।

श्री जी.सी. पति, आईएएस, अतिरिक्त सचिव, कृषि एवं सहकारिता विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली ने २० मई २०११ को सीआरआरआई, कटक का दौरा किया।

Appointment

SHRI B.B. Polai joined as Stenographer Gr.III at the KVK, Santhapur, Cuttack on 11 May 2011.

नियुक्ति

श्री बी.बी. पोलाई ने कृषि विज्ञान केंद्र, संथपुर में आशुलिपिक ग्रेड III के पद में ११ मई २०११ से कार्यभार ग्रहण किया।

Promotion

T5 to T6: Dr Pradeep Kumar Sahu, (Training Assistant) and A.K. Dalai, (Electrician).

T4 to T5: D.K. Das, (Field Assistant), H.C. Satapathy, (Field Assistant), S.C.Pothal, (Field Assistant), Aparti Sahoo, (Field Assistant), P.K. Mohapatra, (Field Assistant), S.C. Mohapatra, (Field Assistant), Sk. Abdul Samad, (Field Assistant), P.K. Nayak, (Field Assistant), N. Nanda, (Field Assistant), R.K. Sethi, (Field Assistant), J.C. Hansda, (Field Assistant), S.S. Singh, (Field Assistant), R.S. Jamuda, (Field Assistant), Srikrishna Pradhan, (Field Assistant), M.N. Mallick, (Field Assistant) and Kailash Chandra Bhoi, (Blacksmith).

प्रोन्नति

डॉ. प्रदीप कुमार साहु, (प्रशिक्षण सहायक) तथा श्री ए.के. दलाई, (विद्युत्कार) को टी-५ से टी-६ में पदोन्नति मिली। श्री डी.के. दास, (प्रक्षेत्र सहायक) श्री एच.सी. शतपथी, (प्रक्षेत्र सहायक), श्री पी.के. महापात्र, (प्रक्षेत्र सहायक), श्री एस.सी. महापात्र, (प्रक्षेत्र सहायक), शेख अब्दुल सामद, (प्रक्षेत्र सहायक), श्री पी.के. नायक, (प्रक्षेत्र सहायक), श्री एन. नंद, (प्रक्षेत्र सहायक), श्री आर.के. सेठी, (प्रक्षेत्र सहायक), श्री जे.सी. हांसदा, (प्रक्षेत्र सहायक), श्री एस.एस. सिंह, (प्रक्षेत्र सहायक), श्री आर.एस. जामुदा, (प्रक्षेत्र सहायक), श्री श्रीकृष्ण प्रधान (प्रक्षेत्र सहायक), श्री एम.एन. मलिक, (प्रक्षेत्र सहायक) तथा श्री कैलाश चंद्र भोई (लुहार) का टी-४ से टी-५ में पदोन्नति मिली। श्री अरुण पंडा,

T3 to T4: Shri Arun Panda, (Library Assistant)

T2 to T3: Parimal Behera, (Field Assistant), Nakula Barik, (Field Assistant), Kailash Chandra Mallick (Field Assistant), Bhakta Charan Behera, (Field Assistant), Gauranga Charan Sahoo, (Mechanic), and Srinibash Panda, (Electrician).

Shri B.K. Moharana and Shri S. Das from Assistant to Assistant Administrative Officer w.e.f. 25 May 2011.

Transfer

SHRI M. Swain, Stenographer Gr. III from KVK, Koderma to CRRI, Cuttack on 1 Apr 2011.

Shri Arun Pandit, Senior Scientist from CRRI, Cuttack to CRIJAF, Barrackpore, Kolkata on 18 Apr 2011.

Shri S.K. Mathur, AAO joined the Directorate of Water Management, ICAR, Bhubaneswar on promotion as Administrative Officer on 20 Apr 2011.

Dr Pankaj Kaushal, Principal Scientist joined the IGFRI, ICAR, Jhansi, on selection as Head, Department of Crop Improvement on 8 Jun 2011.

Dr P.K. Mallick, SMS joined the KVK, Momong, NRC on Yak, Arunachal Pradesh on selection as Senior Scientist and Officer-in-Charge, on 20 Jun 2011.

Shri Bahudi Bhoi, AAO from CRRI, Cuttack to RRLRRS, Gerua on 20 Jun 2011.

Retirement

SHRI Dillip Kumar Dash, AAO, Shri Manik Bindhani, SSS and Shri Suma Pradhan, SSS retired on 30 Apr 2011.

Smt Parbati Bindhani, SSS took voluntary retirement on 6 May 2011.

Dr R.K. Singh, Principal Scientist, CRURRS, Hazaribagh and Shri Gajendra Rout, SSS retired on 30 Jun 2011.

Necrology

SHRI Abhiram Prusty, SSS passed away on 10 Apr 2011.

(पुस्तकालय सहयक) को टी-३ से टी-४ में पदोन्नति मिली।

श्री परिमल बेहेरा, (प्रक्षेत्र सहायक), श्री नकुल बारिक, (प्रक्षेत्र सहायक), श्री कैलाश चंद्र मलिक (प्रक्षेत्र सहायक), श्री भक्त चरण बेहेरा (प्रक्षेत्र सहायक), श्री गौरांग चरण साहू, (मैकेनिक) श्री श्रीनिबास पंडा (विद्युत्कार) टी-३ से टी-४ में पदोन्नति मिली।

श्री बी.के. महाराणा तथा श्री एस. दास को सहायक से सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद में २५ मई २०११ को पदोन्नति मिली।

तबादला

श्री एम. स्वाईं आशुलिपिक, ग्रेड III का कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा से सीआरआरआई, कटक में १ अप्रैल २०११ को तबादला हुआ।

श्री अरुण पंडित, वरिष्ठ वैज्ञानिक का सीआरआरआई, कटक से क्रायजाफ, कोलकाता में १८ अप्रैल २०११ को तबादला हुआ।

श्री एस.के. माथुर, सहायक प्रशासनिक अधिकारी का सीआरआरआई, कटक से प्रशासनिक अधिकारी के पद में पदोन्नति मिलने पर जल प्रबंधन निदेशालय, भाकृअनुप, भुवनेश्वर को तबादला हुआ।

डॉ. पंकज कौशल, प्रधान वैज्ञानिक ने चयनित होने पर ८ जून २०११ से आईजीएफआरआई, झांसी के फसल उन्नयन प्रभाग के अध्यक्ष के पद में अपना कार्यभार संभाल लिया है।

डा.पी.के. मलिक, विषयवस्तु विशेषज्ञ ने चयनित होने पर २० जून २०११ को कृषि विज्ञान केंद्र, मोमोंग, एनआरसी याक, अरुणाचल प्रदेश में वरिष्ठ वैज्ञानिक के पद में तथा प्रभारी अधिकारी के रूप में अपना कार्यभार संभाल लिया है।

श्री बाहुड़ी भोई, सहायक प्रशासनिक अधिकारी का सीआरआरआई, कटक से २० जून २०११ को आरआरएलआरआरएस, गेरुआ को तबादला हुआ।

सेवानिवृत्ति

श्री दिलीप कुमार दाश, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, श्री माणिक बिंधाणी, एसएसएस तथा श्री सुमा प्रधान, एसएसएस ३० जून २०११ को सेवानिवृत्त हुए।

श्रीमती पार्वती बिंधानी, एसएसएस ने ६ मई २०११ को स्वैच्छिक सेवानिवृत्त हुए।

डॉ.आर.के. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, सीआरयूआरआरएस, हजारीबाग तथा श्री गजेंद्र राउत, एसएसएस ३० जून २०११ को सेवानिवृत्त हुए।

निधन

श्री अभिराम पृष्टि, एसएसएस का १० अप्रैल २०११ को निधन हो गया।

Publications

DATTA, A., Rao, K.S., Santra, S.C., Mandal, T.K., and Adhya, T.K., 2011. Greenhouse Gas Emissions from Rice-based Cropping Systems: Economic and Technologic Challenges and Opportunities. *Mitig. Adapt. Strateg. Glob. Change* 16: 597–615.

Das, S., Ghosh, A., and Adhya, T.K., 2011. Nitrous Oxide and Methane Emission from a Flooded Rice Field as Influenced by Combined and Separate Application of Herbicides Bensulfuron Methyl and Pretilachlor. *Chemosphere* 84: 54–62.

निदेशक की कलम से: टी.के. आध्या

From the Director's Desk: T.K. Adhya

WITH the approaching monsoon, the rice farmers all over the country are gearing up to grow rice, the essential component of Indian food security. The India Meteorological Department's cumulative forecast for the entire country during the four-month monsoon season (Jun-Sep 2011) is at 95% of the long period average (LPA), suggesting that the monsoon in the current year will be normal albeit with a lower average cumulative rainfall. The CRRI has planned to meet the challenges of such vagaries of the monsoon that brings with it diverse biotic and abiotic stresses. The drought and submergence tolerant rice varieties released by the CRRI is expected to empower the farmers and keep the momentum ahead for reaching climate resilient agriculture. The CRRI as the Nodal agency for the scientific monitoring and technological backstopping of the new Government of India programme "Bringing Green Revolution to Eastern India (BGREI)," under the Rashtriya Krishi Vikas Yojana, will be involved in ameliorating the constraints of the farmers through specific interventions. Scientists will be actively monitoring the implementation of the programme in identified districts. As part of these initiatives various meetings were held with the Governmental units, and the stakeholders. Newer varieties that were released as well as lines and cultures will be taken to different areas in farmers' field to evaluate the performance.

CR 2301-5 (IET 19816) and CR 2285-6-6-3-1 (IET 20220) were the two new rice varieties recommended for release by the Variety Identification Committee. These varieties will provide high-yielding alternatives to irrigated and deepwater areas, respectively. The institute will continue to strive harder for the benefit of the rice farmers in rainfed areas by developing suitable varieties and technologies to elevate the national yield levels and contribute to the food security of the country and happiness to the farmers.

चावल जो भारतीय खाद्य सुरक्षा की एक आवश्यक घटक है, मानूसन के आंरभ होने के साथ देश भर के किसान इसकी खेती करने के लिए अपना कमर कस लिया है। भारतीय मौसम विभाग ने पूरे देश के लिए इस साल का चार महीने का मानसून सत्र (जून-सितंबर) का पूर्वानुमान ९५ प्रतिशत किया है जिससे यह पता चलता कि चालू वर्ष के दौरान मानसून सामान्य होने वाला है हालांकि कम औसत संचयी वर्षा के साथ। अनियमित मानसून विविध प्रकार के जैविक एवं अजैविक दबाव अपने साथ लाता है और इससे उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए सीआरआरआई ने योजना बनाई है। सीआरआरआई द्वारा विमोचित सूखा एवं जलनिमग्नता सहिष्णु वाली किस्मों से यह उम्मीद की जा रही है कि ये किसान समुदाय को सशक्त करने वाली हैं तथा जलवायु लचीला कृषि तक पहुंचने के लिए आगे की गति प्रदान करने वाली हैं। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना कार्यक्रम के तहत भारत सरकार का 'पूर्वी भारत में हरित क्रांति आरंभ करने के लिए' नामक नये कार्यक्रम का वैज्ञानिक निगरानी एवं प्रौद्योगिकीय प्रोत्साहन उपलब्ध कराने के लिए सीआरआरआई को नोडल एजेंसी के रूप में चुना गया है ताकि विशिष्ट प्रकार के उपायों के माध्यम से किसानों के बाधाओं के उन्मूलन के लिए इसे शामिल किया जाएगा। पहचान की गई जिलों में इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के निगरानी करने हेतु सीआरआरआई से वैज्ञानिकों को चुना गया है। इन प्रयासों के अंश के रूप में, विभिन्न सरकारी ईकाइयों तथा हितधारकों के साथ कई बैठकें आयोजित की गईं। विभिन्न क्षेत्रों के किसानों के खेतों में निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए नई विमोचित किस्में तथा वंश एवं संवर्धनों की खेती की जाएगी।

किस्म पहचान समिति द्वारा सीआर २३०१-५ (आईईटी १९८१६) तथा सीआर २२८५-६-६-३-१ (आईईटी २०२२०) नामक दो नए चावल किस्मों को विमोचित करने के लिए सिफारिश की गई। सिंचित तथा गहराजल क्षेत्रों में इन किस्मों से अधिक उपज प्राप्त होगी। यह संस्थान वर्षाश्रित क्षेत्रों में चावल किसानों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से उपयुक्त किस्में एवं प्रौद्योगिकियां का विकास करने हेतु निरंतर कठिन प्रयास करता रहेगा जिससे राष्ट्रीय उपज स्तरों में वृद्धि होगी, देश के खाद्य सुरक्षा में योगदान होगा तथा किसानों को खुशियां मिलेगी।

Director: T.K. Adhya

Coordination: B.N. Sadangi

Compilation: Sandhya Rani Dalal   *Hindi translation:* G. Kalundia and B.K. Mohanty

Editor: Ravi Viswanathan

Visit us at:

Laser typeset at the Central Rice Research Institute, Indian Council of Agricultural Research, Cuttack (Orissa) 753 006, India, and printed in India by the Print-Tech Offset Pvt. Ltd., Bhubaneswar (Orissa) 751 024. Published by the Director, for the Central Rice Research Institute, ICAR, Cuttack (Orissa) 753 006.